इस्पात मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

इस्पात राज्य मंत्री
भारत सरकार

संदेश

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ!

दिनांक 14 सितंबर, 1949 को भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। इसलिए हम प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाते हैं, जो कि हम सभी के लिए गर्व और आत्मीयता का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हिंदी सिर्फ एक भाषा ही नहीं बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता की प्रतीक है।

हिंदी वह माधुर्यपूर्ण भाषा है जिसने सदियों से हमारे विचारों, भावनाओं और सभ्यता को सँजोकर रखा है, आज यह विश्व की उन प्रमुख भाषाओं में शामिल है, जिसकी गहराई और व्यापकता अतुलनीय है। आधुनिक युग में तेजी से बदलती तकनीकी दुनियाँ में हिंदी ने अपनी एक अनूठी पहचान बनाई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और प्राकृतिक भाषा संसाधन जैसे क्षेत्र हिंदी के विस्तार और विकास में न केवल सहायक बने हैं, बल्कि इसके भविष्य के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रहे हैं। हिंदी भाषा भारत के डिजिटल युग में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या के कारण एक मजबूत संचार का माध्यम बनती जा रही है, जिससे शिक्षा, रोजगार, नवाचार और तकनीकी क्रांति के नए आयाम उत्पन्न हो रहे हैं।

आज के दौर में हिंदी का भविष्य सिर्फ किताबों और कविताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विज्ञान, तकनीक और दुनियाँ भर के संचार का हिस्सा बन चुकी है। आज की युवा पीढ़ी हिंदी को सिर्फ अपनी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि दुनियाँ से जुड़ने और आगे बढ़ने का सशक्त माध्यम भी मान रही है। मोबाइल फोन में वॉयस असिस्टेंट, ऐप्स और दूसरी डिजिटल सुविधाओं से हिंदी का प्रयोग बहुत सरल और सुगम हो गया है, जिससे यह भाषा भारतीयों की ही नहीं बल्कि विदेशियों की भी पसंदीदा भाषा बन रही है। सोशल मीडिया मंच, ब्लॉग, पॉडकास्ट आदि ने हिंदी को एक नई पहचान दी है, जिससे इसकी पहुँच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी बढ़ गई है। विदेशों में भारतीय दूतावासों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों और यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संगठनों में भी हिंदी का बढ़ता प्रयोग इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रासंगिकता का प्रमाण है।

हिंदी हमारी संस्कृति की आत्मा है, हमारे विचारों की अभिव्यक्ति है और हमारे उज्ज्वल भविष्य का सशक्त स्तंभ है। हिंदी भाषा हमें एक-दूसरे से जोड़ती है एवं हमारे विविधता-भरे समाज को एकता के सूत्र में पिरोती है। हिंदी की इस यात्रा में हम सभी का योगदान अनिवार्य है।

मंत्रालय और इसके नियंत्रणाधीन उपक्रमों के सभी अधिकारी और कार्मिक मिल कर यह संकल्प लें कि हम हिंदी को केवल संवाद का माध्यम ही नहीं, बल्कि इसे राष्ट्रीय गर्व, सांस्कृतिक समृद्धि और राष्ट्र निर्माण का प्रतिमान भी बनाएंगे एवं इसे भावी पीढ़ियों तक एक जीवंत और प्रभावी धरोहर के रूप में स्थापित करेंगे और सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे।

पुनः हिंदी दिवस की शुभकामनाओं सहित !

जय हिंद !

(श्री एच.डी. कुमारास्वामी)
इस्पात मंत्री

भारत स्टील
Bharat Steel

(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)
इस्पात राज्य मंत्री

उद्योग भवन, नई दिल्ली
दिनांक 14 सितंबर, 2025